ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 28-07-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-28 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-29	2023-07-30	2023-07-31	2023-08-01	2023-08-02
वर्षा (मिमी)	35.0	20.0	15.0	20.0	35.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	32.0	34.0	35.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	85	85	90	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	60	50	50	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	4	6	6	8
पवन दिशा (डिग्री)	110	70	70	70	90
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	6	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (जुलाई 22-28) में 78.8 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 30.5 से 35.2 डिग्री सेल्सियस और 24.5 से 28.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह आसमान साफ़ रहने के साथ साथ कुछ दिन बदलो से घिरा रहा। सुबह की सापेक्ष आर्द्रता 0712 बजे 73 से 92% के बीच और शाम की सापेक्ष आर्द्रता 1412 बजे 59 से 90% के बीच। हवा की गति 1.4 से 6.2 किमी प्रति घंटा और हवा की दिशा अधिकतर उत्तर की ओर रही। आने वाले पांच दिनों (29 जुलाई से 2 अगस्त) के पूर्वानुमान अनुसार हल्के से मध्यम वर्षा (15-35 मिमी) रहने का अनुमान है जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान, क्रमशः 32-35 डिग्री सेल्सियस और 25-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति 4-8 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी तथा दिशा अधिकतर पूर्व-उत्तर-पूर्व होगी। अधिकांश स्थानों पर 28, 29 जुलाई और 1 अगस्त को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/आंधी तूफान आने की संभावना है तथा 30 और 31 जुलाई, 2023 को कई जगह पर इसी तरह की सम्भावनाये बनी रहेगी । चेतावनी: 28, 29, 30, 31 जुलाई और 1 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर आंधी/बिजली और तीव्र बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सामान्य सलाहकार:

20-26 जुलाई के लिए प्राप्त वास्तविक वर्षा, सामान्य वर्षा यानी 97.4 मिमी के मुकाबले 25% अधिक वर्षा यानी 121.5 मिमी दर्शाती है तथा 28 जुलाई से 03 अगस्त के लिए विस्तारित अवधि पूर्वानुमान राज्य में सामान्य से कम वर्षा की भविष्यवाणी करता है। हालाँकि, जिलेवार साप्ताहिक औसत वर्षा (19-26 जुलाई) के अनुसार, अनुमानित वर्षा 24.2 मिमी थी जिसे काफी हद तक कम दर्शाया गया है। यह स्पष्ट रूप से राज्य में उच्च वर्षा परिवर्तनशीलता को दर्शाता है जहां कुछ क्षेत्रों में अधिक और कुछ में कम वर्षा हुई। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान, कृषि मौसम संबंधी सलाह, आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" और बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (Android उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे किसान भाइयों को कृषि संभंधित निर्णय लेने में आसानी होगी।

लघु संदेश सलाहकार:

जिले में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है, इसलिए खेती की गतिविधियां तदनुसार की जा सकती हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	रोपे गए धान में मौसम साफ होने पर उर्वरकों और खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग किया जा सकता है। धान के खेत की निराई 20 और 40 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए. यदि श्रमिक उपलब्ध नहीं है, तो रोपाई के 3 दिन के भीतर ब्यूटाक्लोर 50 ई.सी. 3 लीटर प्रति हेक्टेयर या एनिलोफोस 30 ई.सी. 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर या प्रेटिलाक्लोर 50 ई.सी. 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। सभी रासायनिक छिड़काव इष्टतम नमी की स्थिति में किए जाने चाहिए। खेत में पानी की कमी होने पर 1-2 दिन बाद सिंचाई करें और पानी का स्तर 5-7 सेमी तक रखें।
गन्ना	जल भराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और गन्ने की जड़ों पर पर्याप्त मिट्टी चढ़ायें। जब फसल की बढ़वार अच्छी होने पर 5 फीट की ऊंचाई पर बांध दें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मक्का	मक्का फसल की विलंबित बुआई अगस्त के प्रथम सप्ताह तक की जा सकती है। जून में बोई गई मक्का के लिए कम से कम दो बार निराई-गुड़ाई की जरूरत होती है, पहली 20 दिनों के अंतराल पर और दूसरा 35 दिन के अंतराल पर. मक्का के 2 फीट लंबा हो जाने पर यूरिया की टॉपड्रेसिंग करें. मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रानीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। हसभी रासायनिक छिड़काव और कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
मूँग	तराई-भावर एवं मैदानी छेत्रों में जहाँ पानी जमाव की समस्या न हो वहा मूंग की बुवाई अगस्त के पहले हफ्ते तक करि जा सकती है। भरपूर उत्पादन हेतु जैव नियंत्रक ट्राइकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम/कि. ग्रा. बीज से उपचारित बीजो का प्रयोग करें। इसके साथ साथ बीजो का जैव उर्वकों जैसे राइजोबियम एवं पी. एस. बी.की लगभग 200 ग्राम /10 कि. ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें।बुवाई कार्य तब करना चाहिए जब खेत में पर्याप्त नमी हो इसलिए पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए बुवाई का कार्य करना चाहिए।
काला चना	तराई-भावर एवं मैदानी छेत्रों में जहाँ पानी जमाव की समस्या न हो वहा उर्द की बुवाई अगस्त के पहले हफ्ते तक करि जा सकती है। भरपूर उत्पादन हेतु जैव नियंत्रक ट्राइकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम/कि. ग्रा. बीज से उपचारित बीजो का प्रयोग करें। इसके साथ साथ बीजो का जैव उर्वकों जैसे राइजोबियम एवं पी. एस. बी.की लगभग 200 ग्राम /10 कि. ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें।उपचार के बाद उन्नत प्रजातियां जैसे पंत उर्द 10, पंत उर्द 31 और पंत उर्द 40 को 12-15 कि. ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से लाइन से लाइन की दूरी 30-45 सेमी और 3-4 सेमी की गहराई पर बोया जा सकता है। बुवाई का कार्य तब करना चाहिए जब खेत में पर्याप्त नमी हो इसलिए पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए बुवाई का कार्य करना चाहिए।
मूँगफली	मूंगफली में बुवाई के 15 -20 दिनों के अंतराल पे निराई कर लेनी चाहिए और खरपवारों को रासायनिक विधि से नष्ट करने के लियेलिए पेंडीमिथलीन 30 ई. सी., 3. 3 ली. या एलाक्लोर 50 ई. सी. की 4 ली. मात्रा को 500 -700 लीटर पानी मे घोलकर बुवाई के बाद और खरपतवारों के जमाव से पूर्व छिड़कना चाहिए। कोई भी रासायनिक छिड़काव पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद रोग लगने की संभावना रहती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सर्वद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/ लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर को पानी में घोलें और छिड़काव करें। किसान भाइ ध्यान रखें कि छिड़काव मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए करना चाहिए।
गोभी	रोपी गई फसल में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
कद्दू	कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूसक रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	जुलाई का महीना प्रसव का है तो पशु के प्रसव के समय उनपर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। बरसात के मौसम में पशुशाला की नियमित रूप से 2 -3 बार सफाई करनी चाहिए।
भेंस	जुलाई का महीना प्रसव का है तो पशु के प्रसव के समय उनपर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। बरसात के मौसम में पशुशाला की नियमित रूप से 2 -3 बार सफाई करनी चाहिए।
बकरा	छोटे रोमन्थी पशुओं, ओं ओं जैसे भेड़, बकरी एवं नवजात गो वत्स को बरसात के दिनों मे भीगने से बचाना चाहिए ताकि उनको सर्दी/ जुकाम/न्यूमोनिया नामक बीमारी न हों।